

आईआईटी, महू आर्मी कैंपस के बाद शहरी क्षेत्र में सिल्वर स्प्रिंग टाउनशिप फेस-टू में दिखा

एक साथ 3 स्थानों पर तेंदुओं की दहशत, 4 में से 3 रेंज में सक्रिय, लेकिन पकड़ में एक नहीं आ रहा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंदौर वन मंडल की चार में से तीन रेंज में तेंदुआ सक्रिय है। चोरल और महू के बाद अब इंदौर रेंज में तेंदुआ बसाहट के बीच नजर आया है। सिल्वर स्प्रिंग टाउनशिप फेस-टू में दिखा तेंदुआ दो दिन से भले ही नजर नहीं आया, लेकिन यहां लोग सतर्क हो गए हैं। अलसुबह और शाम के वक्त अकेले घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं। रालामंडल अभयारण्य वाली लेन में टाउनशिप का फेस-टू है। रालामंडल में घोषित रूप से तेंदुआ का रहवास है। ऐसी संभावना है कि अभयारण्य से निकलकर सेही, खरगोश टाउनशिप तरफ आ जाते हैं। इनके शिकार के पीछे-पीछे तेंदुआ बसाहट तक आ गया और फिर अभयारण्य में चला गया, क्योंकि सिल्वर स्प्रिंग में दूसरे दिन को मूवमेंट नहीं दिखा। आईआईटी व महू में आर्मी कैंपस में भी दोबारा नजर नहीं आया।

दो जगह लगाए पिंजरे, लोग अंधेरे में नहीं निकलें

डीएफओ महेंद्र सोलंकी के मुताबिक रालामंडल का एनीमल जोन तेंदुए के सबसे मुफीद है। यहां पानी और शिकार भरपूर है। दो दिन से कॉलोनी में कहीं भी उसके प्रमाण नहीं मिले हैं। इसका मतलब है कि वह एनिमल जोन में ही लौट गया है। हालांकि एहतियातन लोगों को समझाइश दी है कि अभी कुछ दिन अंधेरा होने और अलसुबह अकेले घर से बाहर नहीं निकलें। सिमरोल स्थित आईआईटी परिसर और आर्मी कैंपस में पिंजरा लगा रखा है। यहां पर सीसीटीवी कैमरे में उसके फुटेज दिख रहे हैं। पिंजरे में जाकर तेंदुए फिर फुर्ती से बाहर आ जाता है। इंदौर वन मंडल की चारों रेंज में तेंदुओं की संख्या बढ़ गई है। महू, मानपुर और चोरल में हर दूसरे दिन कहीं ना कहीं ग्रामीणों को तेंदुआ दिख रहा है या फिर उसके शिकार के प्रमाण मिल रहे हैं।